

बांधवगढ़ टाइगर रज़िर्व में हाथियों की दुर्घटनाएँ

स्रोत: द हट्टि

हाल ही में मध्य प्रदेश के **बांधवगढ़ टाइगर रज़िर्व** (Bandhavgarh Tiger Reserve (BTR)) में चार हाथी मृत पाए गए और पाँच अन्य गंभीर रूप से बीमार पाए गए हैं।

- **प्रोजेक्ट एलीफेंट** द्वारा 2017 की जनगणना के अनुसार भारत में **जंगली एशियाई हाथियों की सबसे अधिक** अनुमानित संख्या 29,964 है।
 - **कर्नाटक** में हाथियों की संख्या सबसे अधिक है, उसके बाद **असम और केरल का स्थान है।**

बांधवगढ़ टाइगर रज़िर्व:

- यह मध्य प्रदेश के **उमरिया ज़िले** में स्थित है और **वधिय पहाड़ियों** पर वसितृत है।
 - यह ऐतिहासिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, जिसका प्रमाण **प्रसिद्ध बांधवगढ़ कलि** के साथ-साथ संरक्षित क्षेत्र में मौजूद अनेक गुफाएँ, शैलचित्र और नक्काशी है।
- यह **रॉयल बंगाल टाइगरस** के लिये जाना जाता है।
- वर्ष 1968 में इसे राष्ट्रीय उद्यान के रूप में अधिसूचित किया गया तथा 1993 में प्रोजेक्ट टाइगर नेटवर्क के तहत पड़ोसी पनपथा अभयारण्य में बाघ अभयारण्य घोषित किया गया।
 - महत्वपूर्ण शिकार प्रजातियों में **चीतल, सांभर, भौंकने वाले हरिण, नीलगाय, चकिारा, जंगली सुअर, चौसघा, लंगूर और रीसस मकाक** शामिल हैं।
 - **बाघ, तेंदुआ, जंगली कुत्ता, भेड़िया और सयार** जैसे प्रमुख शिकारी इन पर निर्भर हैं।

//

हाथी की 4 मुख्य प्रजातियाँ

प्रजातियाँ	जहाँ पाई जाती हैं	IUCN रेड लिस्ट में दर्ज स्थिति	अधिवास
भारतीय	एशिया	संकटग्रस्त (CITES - परिशिष्ट I, WPA - अनुसूची I)	उष्णकटिबंधीय एवं उपोष्ण शुष्क एवं नम पृथुपर्णी (चौड़े पत्तेदार) वन, घास के मैदान
सुमात्राई	एशिया	गंभीर संकटग्रस्त	उष्णकटिबंधीय नम पृथुपर्णी (चौड़े पत्तेदार) वन
सवाना (बुश)	अफ्रीका	संकटग्रस्त	मध्य अफ्रीका के घने उष्णकटिबंधीय वनों को छोड़कर पूरे उप-सहारा अफ्रीका में
अफ्रीकी वन्य हाथी	अफ्रीका	गंभीर संकटग्रस्त	घने उष्णकटिबंधीय वन

भारतीय हाथी (*Elephas maximus*)

एशियाई महाद्वीप पर सबसे बड़ा स्तनपायी जीव
भारत का राष्ट्रीय धरोहर पशु

- हाथियों की अधिकतम आबादी वाले शीर्ष 5 भारतीय राज्य:
(हाथी जनगणना 2017 के अनुसार)
 - कर्नाटक > असम > केरल > तमिलनाडु > ओडिशा
- सामाजिक संरचना:
 - नर की तुलना में मादा हाथी अधिक सामाजिक होती हैं; जो कि झुंड में (आमतौर पर 5-7) रहती हैं
 - जिसका नेतृत्व सबसे बुजुर्ग मादा हाथी करती है
 - नर आमतौर पर अकेले रहते हैं

■ प्रमुख खतरे:

- घटते आवास
- मानव-हाथी संघर्ष

- हाथीदांत के लिये अवैध शिकार
- पालन में दुर्लभता

■ संरक्षण के प्रयास:

- गज सूचना ऐप (2022)
- गज यात्रा (2017)
- हाथी मेरे साथी अभियान (2011)
- राष्ट्रीय हाथी गलियारा परियोजना (2005)
- हाथियों की अवैध हत्या की निगरानी (माइक) कार्यक्रम (2003)
- प्रोजेक्ट एलिफेंट (1992)

अधिक पढ़ें: [मध्य प्रदेश में राष्ट्रीय उद्यान](#)

PDF Reference URL: <https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/elephant-casualties-in-bandhavgarh-tiger-reserve>